(3) तनुजा की कहानी

मोहन सिंह निवासी राजपुरा, नई बस्ती हल्द्वानी जनपद नैनीताल की कुछ समय पहले मौत हो गई थी। उसके घर में उसकी पत्नी ज्योति व चार बच्चे रहते थे। जिसमें आठ साल की तनुजा को दिनांक 30 दिसंबर 2014 की सुबह उसकी माँ ज्योति ने डांट दिया, जिससे नाराज होकर वह घर से चली गई। पहले भी एक बार तनुजा घर से जा चुकी थी और शाम तक घर लौट आई थी। इसलिए उसकी माँ ने इतना ध्यान नहीं दिया, लेकिन इस बार तनुजा नही लौटी।

तनुजा के अगले दिन भी घर वापस न आने पर तनुजा की माँ ज्योति पुलिस तक मामला लेकर पहुँची। उसके बाद जनपद नैनीताल में ऑपरेशन स्माइल की एक टीम तनुजा की तलाश में गहनता से जुट गई। दोपहर में टीम के उपनिरीक्षक विनोद जोशी को सूचना मिली कि गौलापार के नवाड़खेड़ा में एक मासूम बच्ची कुछ दिन से रह रही है जिस पर आनन-फानन एस0आई0 विनोद जोशी टीम के साथ मौके पर जा पहुँचे। टीम सीधे नवड़खेड़ा में रहने वाले मजदूर संतोष मौर्य के घर जा पहुँची और बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। संतोष ने बताया कि 30 तारीख को बच्ची उसे गौलापार में रोते हुए मिली इसलिए वह उसे घर ले आए। बच्ची को बरामद करने के बाद ऑपरेशन स्माइल टीम ने उसे उसकी माँ ज्योति के सुपुर्द कर दिया।